

Pyriproxyfen 10% + Bifenthrin 10% w/w EC (Insecticide)

Pyriproxyfen 10% + Bifenthrin 10% w/w EC is an insecticide with multi-action control. The active Pyriproxyfen kills nymphal stages as well inhibits reproductive capacity of adult by growth regulating activity and active Bifenthrin leads to knock-down effect on adult pest, thus controlling both destructive stages and prevents build-up of pest population.

Recommendation:

Crop (s) Common Name of Pest	Dosage/HA AI (gm)	Formulation (ml)	Dilution in Water (Litre)	Waiting Period between last spray & Application (days)	Re-entry after each Application (in Hours)
Cotton Whitefly	60+60	600	500	19	-

Direction of Use :

Method of application : It should be applied as knapsack spray. No specific soil conditions are prescribed. Uniform coverage is necessary for effective control of insect pests. A simple knapsack sprayer fitted with hollow cone nozzle type can be used for spraying.

Preparation of Spray Solution : Mix the recommended dose in 1/4 of the recommended quantity of water to the spray tank with agitation. Add remaining quantity of water with continuous agitation. Ensure complete dispersion of the product in mix water before spraying of the spray solution. Maintain agitation while spraying.

Time of application : Apply as soon as the insect population begins to appear in the field but before it reaches Economic Threshold (ETL). Weather should be clear, calm, no rains and no strong winds.

No. of application : 3 sprays at an interval of 15 days interval depending upon the pest infestation. Avoid the spray if toxic to bees during bloom or when bees are present in the field. Before applying any pesticide take into account the stage of plant development the soil type and condition, the temperature, moisture and wind. Injury may also result from the use of incompatible materials.

Re-entry period : Don't enter or allow worker entry into treated area during the restricted entry interval (REI) of 12 hours.

Precautions : Protective clothing should be worn while mixing and spraying. Wash contaminated clothes and body parts of body after application. Avoid inhalation. Do not smoke, drink, eat and chew anything during application.

Symptoms of Poisoning: Effects from overexposure result from either ingestion, inhaling or coming into contact with the eyes or skin. General symptoms include headache, dizziness, weakness, nausea and irritation, burns of esophagus or gastrointestinal tract. Symptoms of over exposure include bleeding from the nose, tremor and convulsion. Contact with the product may occasionally produce skin sensation such as rashes, numbing, burning or tingling. These skin sensations are reversible and usually subside within 12 hours. Lethargy, ataxia, salivation, lacrimation.

First Aid Measures: Skin contact : Wash material off the skin in flowing water or shower with soap. If irritation persists consult a physician immediately. Eye contact : Immediately flush with sufficient amount of water for atleast 15 minutes. Inhalation : Remove the victim to fresh air and keep him warm and quiet. Get a medical attention immediately. If not breathing, clear the airways and give artificial respiration. If breathing is difficult, give oxygen. Ingestion : Do not induce vomiting unless told to by doctor. Do not give anything to unconscious person. Have person sip a glass of water if able to swallow. Get medical attention immediately.

Antidote: No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy.

Disposal of Containers: 1. Packages or surplus materials and washings of the spray equipments should be disposed-off in a safe manner so as to prevent environmental pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation. 4. "Dangerous/harmful to fish-Do not contaminate lakes, river, ponds or streams". "Dangerous to re-use empty container".

Storage: 1. The packages containing the insecticide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticide. Keep out of reach of children. 2. The rooms or premises should be well built, well ventilated and of sufficient dimensions. The conditions of the store should be dry and cool.

Chemical Composition:

Pyriproxyfen a.i.	10.00% w/w
Bifenthrin a.i.	10.00% w/w
Emulsifiers (Ablend of calcium salt of alkyl benzene sulphonate acid & polyethoxy ether of nonyl phenol):	10.00% w/w
Aromatic Solvent C-9	Q.S. % w/w
Total	100.000% w/w

CAUTION : "Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet".

पाइरिप्रोक्सीफेन १०% + बाईफेनथ्रिन १०% भार/भार (Insecticide)

पाइरिप्रोक्सीफेन १०% + बाईफेनथ्रिन १०% भार/भार या कीटनाशक के लिये एक अन्तःप्रजातीय कीटनाशक है जो खुलेखले कीटों की रोकथाम के लिये बहु-कार्यवाही नियंत्रण प्रदान करती है। यह सौंधे भ्रांग चरण के कीटों की समाप्त करती है ताकि साथी प्रजाति की रोकथाम करती है। यह कीटों की वृद्धि को भी रोकती है।

सावधानी : १. पत्रिका व लेल में दिए हुए फसलों की कीटों के अलावा अन्य के लिए उपयोगित नहीं है। २. फसल पेटोदार के बाद इसका प्रयोग नहीं करें। ३. माछिलियों के अन्वय जहरीली हैं अतः नियंत्रण प्रयोग नहीं करें। ४. अन्यतर यह उत्तम दोनों चरण पर पूर्ण रोकथाम प्राप्त करती है। यह कीटों की वृद्धि को भी रोकती है।

सावधानी : १. पत्रिका व लेल में दिए हुए फसलों की कीटों के अलावा अन्य के लिए उपयोगित नहीं है।

२. फसल पेटोदार के बाद इसका प्रयोग नहीं करें। ३. माछिलियों के अन्वय जहरीली हैं अतः नियंत्रण प्रयोग नहीं करें। ४. अन्यतर यह उत्तम दोनों चरण पर पूर्ण रोकथाम प्राप्त करती है। यह कीटों की वृद्धि को भी रोकती है।

उपयोग : १. पत्रिका व लेल में दिए हुए फसलों की कीटों के अलावा अन्य के लिए उपयोगित नहीं है।

२. फसल पेटोदार के बाद इसका प्रयोग नहीं करें। ३. माछिलियों के अन्वय जहरीली हैं अतः नियंत्रण प्रयोग नहीं करें। ४. अन्यतर यह उत्तम दोनों चरण पर पूर्ण रोकथाम प्राप्त करती है। यह कीटों की वृद्धि को भी रोकती है।

उपयोग के लिये हासिलकरण : यह उत्तम प्रयोग भी पर्याप्त नहीं है। अतः नियंत्रण प्रयोग नहीं करें।

उपयोग के लिये नियन्त्रण : इसका उपयोग पीले पर लादकर छिड़काव करने वाले यात्र से करना चाहिये।

१. कोई विशेष नियन्त्रण की स्थिति नियंत्रित नहीं है। कीटों की रोकथाम के लिए समान रूप से पूरे खेत में छिड़काव करें। पीले पर लादकर छिड़काव करने वाले यात्र खोखला कान नोक प्रकार के साथ का उपयोग किया जा सकता है।

मिशन प्रयोग : उचित गयी जोड़ का एक बोधायी भाग बतायी गयी पानी के साथ हिलाते हुए टेंक में मिलाये। बची हुई सांगारों को इसी तरह हिलाते हुए टेंक में मिलाये। सुनिश्चित कर ले कीटनाशक पानी में पूरी तरह खुल गया है। स्पे करते समय मिलावट को समान रखने के लिये स्पेर प्रयोग को हिलाते रहें।

छिड़काव का समय : कीटों का खेत में बोधायी देने पर कीटनाशक का प्रयोग करें इससे पहले कि वे खेतों के नुकसान के उत्तम स्तर पर पहुँचे। मैसम साफ शाया कोडी वारिस और कोई तेज खड़ाओं का नहीं होना चाहिए।

छिड़काव की संख्या : ३ बार छिड़काव १५ दिनों के अन्दर कीटों के संख्या के आधार पर करें।

पुनःप्रयोग अवधि : छिड़काव की दूसरी जगह पर १२ घंटे से पूर्व प्रयोग वर्तना है।

प्रयोगकारीकों के लिये सावधानी : इसका उपयोग मिशन करते समय और छिड़काव करते समय शरीर पर ढाकने ले वर्त करने ले तो छिड़काव के बाद दूसरी तक पकड़ों व शरीर अच्छी तरह से थोंगे हों। इस कीटनाशक को छिड़कारे व मिलाते समय सांस झारा आन्दर लेने व त्वचा से लगाने से थोंगे कीटाव करते समय खाया, पीसा, खूबांपन करना व त्वचा को खारा बनाना चाहिए।

लक्षण : कीटनाशक के प्रयोग के बाद जगह जगह नियन्त्रण लगाने जाने पर, सूखने पर पर या अंखों या त्वचा के सम्पर्क में आने पर परिवर्तित होता है। सामान्य लक्षण रिसर्वेट, बदकर आया, कानोंरी मिलती होना ख्वाशन निकाल एवं पाचन न्यून तक जलन व खुलालात होता है। इन लक्षणों में नाक से खड़न बहना, कंपकंपी या ऐरेन हो सकती हैं। इस कीटनाशक से संरक्षक से त्वचा में परेशानी जैसे त्वचा का लाल होना, सुन होना, जलन होना या सुखावाहन हो सकता है। यह सच लक्षण रिसर्वेट, बदकर आया, नाकोंरी मिलती होना आया।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर हाते ही त्वचा का संपर्क में आने पर तुरन्त लगातार पानी का साथ थोंगे लो और अगर खुलालात हो तो यूकी हो तो तुरन्त डॉक्टर से संपर्क करें।

चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्रयोगकारीकों के लिये सावधानी : इसका उपयोग मिशन करते समय और छिड़काव करते समय शरीर पर ढाकने ले वर्त करने ले तो छिड़काव के बाद दूसरी तक पकड़ों व शरीर अच्छी तरह से थोंगे हों। इस कीटनाशक को छिड़कारे व मिलाते समय सांस झारा आन्दर लेने व त्वचा से लगाने से थोंगे कीटाव करते समय खाया, पीसा, खूबांपन करना व त्वचा को खारा बनाना चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्रयोगकारीकों के लिये सावधानी : इसका उपयोग मिशन करते समय और छिड़काव करते समय शरीर पर ढाकने ले वर्त करने ले तो छिड़काव के बाद दूसरी तक पकड़ों व शरीर अच्छी तरह से थोंगे हों। इस कीटनाशक को छिड़कारे व मिलाते समय सांस झारा आन्दर लेने व त्वचा से लगाने से थोंगे कीटाव करते समय खाया, पीसा, खूबांपन करना व त्वचा को खारा बनाना चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी चाहिए।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को तुरन्त दूषित स्थान से दूर होने की प्रयत्न करें।

सावधानी : कोना नियन्त्रण के लिये नियन्त्रण करने वाले की उत्तम जागरूकता रखनी

